tion of 22,500 tons of various types of steel wire, including high tensile wire and other special types of wire, proposed to be manufactured by the Indian Steel and Wire Products Limited has been started?]

इस्पात, खान और ईंधन मंत्री (सरदार स्वर्ण सिंह) : जी, नहीं, फर्म ने बताया है कि अलग अलग किस्मों के २२,५०० टन तार तभी तैयार हो सकेंगे जबकि १,६०,००० टन वार्षिक कार्यक्षमता की उनकी नई रौड मिल लग जायेगी। आशा है कि रौड मिल लगाने का काम जून, १९६१ तक पूर्ण हो जायेगा।

†[THE MINISTER OF STEEL, MINES AND FUEL (SARDAR SWARAN SINGH): No, Sir. The firm had indicated that 22,500 tons of various categories of special wires will be produced after their new rod mill with a capacity of 1,60,000 tons per annum has been installed. The installation of the rod mill is expected to be completed by June 1961.]

बिजली की भट्टियां

***५६४. श्री राम सहाय** : क्या **इस्पात, खान और ईंधन** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि १९५९-६० में बिजली की जिन २८ भट्टियों की स्वीकृति दी गई थी, क्या वे सब चालू हो गई हैं और यदि हां, तो कहां कहा चालू हुई हैं ?

†[ELECTRIC FURNACES

*564. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of STEEL, MINES AND FUEL be pleased to state whether all the 28 electric furnaces, which were sanctioned in the year 1959-60, have gone into commission, and if so, at what places they have been started?]

स्पात, खान और ईंधन मंत्री (सरदार स्वर्ण सिंह) : केवल कोइम्बटूर की एक इकाई ने उत्पादन आरम्भ किया है।

†[THE MINISTER OF STEEL, MINES AND FUEL (SARDAR SWARAN SINGH): Only one unit at Coimbatore has started production.]

छोटी धमन भट्टियां

***५६५. श्री राम सहाय** : क्या **इस्पात, खान और ईंधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वे सात छोटी धमन भट्टियां जिन को मद्रास, महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिमी बंगाल और मध्य प्रदेश के राज्यों में स्थापित करने की मंजूरी दी गई थी, चालू हो चुकी हैं ; और

(ख) यदि नहीं, तो इसका क्या कारण है ?

†[SMALL BLAST FURNACES

*565. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of STEEL, MINES AND FUEL be pleased to state:

(a) whether the seven small blast furnaces which were sanctioned to be set up in the States of Madras, Maharashtra, Gujarat, West Bengal and Madhya Pradesh have since gone into operation; and

(b) if not, what is the reason therefor?]

इस्पात, खान और ईंधन मंत्री (सरदार स्वर्ण सिंह) : (क) मद्रास प्रान्त के कोयम्बटूर में १९५९ में लगाई गई एक इकाई सविराम कार्य कर रही है। शेष अभी चालू नहीं हुई हैं।

(ख) एक वक्तव्य सभा पटल पर रख दिया गया है।

†[ ] English translation.